سَلۡ بَنِيٓ إِسۡرَٰٓءِيلَ كَمۡ ءَاتَيۡنَٰهُم مِّنۡ ءَايَةِۭ بَيِّنَةٖۗ وَمَن يُبَدِّلۡ
نِعۡمَةَ ٱللَّهِ مِنۢ بَعۡدِ مَا جَآءَتۡهُ فَإِنَّ ٱللَّهَ شَدِيدُ ٱلۡعِقَابِ ٢١١
زُيِّنَ لِلَّذِينَ كَفَرُواْ ٱلۡحَيَوٰةُ ٱلدُّنۡيَا وَيَسۡخَرُونَ مِنَ ٱلَّذِينَ
ءَامَنُواْۘ وَٱلَّذِينَ ٱتَّقَوۡاْ فَوۡقَهُمۡ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِۗ وَٱللَّهُ يَرۡزُقُ مَن
يَشَآءُ بِغَيۡرِ حِسَابٖ ٢١٢ كَانَ ٱلنَّاسُ أُمَّةٗ وَٰحِدَةٗ فَبَعَثَ ٱللَّهُ
ٱلنَّبِيِّـۧنَ مُبَشِّرِينَ وَمُنذِرِينَ وَأَنزَلَ مَعَهُمُ ٱلۡكِتَٰبَ بِٱلۡحَقِّ
لِيَحۡكُمَ بَيۡنَ ٱلنَّاسِ فِيمَا ٱخۡتَلَفُواْ فِيهِۚ وَمَا ٱخۡتَلَفَ فِيهِ
إِلَّا ٱلَّذِينَ أُوتُوهُ مِنۢ بَعۡدِ مَا جَآءَتۡهُمُ ٱلۡبَيِّنَٰتُ بَغۡيَۢا بَيۡنَهُمۡۖ
فَهَدَى ٱللَّهُ ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ لِمَا ٱخۡتَلَفُواْ فِيهِ مِنَ ٱلۡحَقِّ بِإِذۡنِهِۦۗ
وَٱللَّهُ يَهۡدِي مَن يَشَآءُ إِلَىٰ صِرَٰطٖ مُّسۡتَقِيمٍ ٢١٣ أَمۡ حَسِبۡتُمۡ
أَن تَدۡخُلُواْ ٱلۡجَنَّةَ وَلَمَّا يَأۡتِكُم مَّثَلُ ٱلَّذِينَ خَلَوۡاْ مِن
قَبۡلِكُمۖ مَّسَّتۡهُمُ ٱلۡبَأۡسَآءُ وَٱلضَّرَّآءُ وَزُلۡزِلُواْ حَتَّىٰ يَقُولَ
ٱلرَّسُولُ وَٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ مَعَهُۥ مَتَىٰ نَصۡرُ ٱللَّهِۗ أَلَآ إِنَّ نَصۡرَ
ٱللَّهِ قَرِيبٞ ٢١٤ يَسۡـَٔلُونَكَ مَاذَا يُنفِقُونَۖ قُلۡ مَآ أَنفَقۡتُم مِّنۡ
خَيۡرٖ فَلِلۡوَٰلِدَيۡنِ وَٱلۡأَقۡرَبِينَ وَٱلۡيَتَٰمَىٰ وَٱلۡمَسَٰكِينِ وَٱبۡنِ
ٱلسَّبِيلِۗ وَمَا تَفۡعَلُواْ مِنۡ خَيۡرٖ فَإِنَّ ٱللَّهَ بِهِۦ عَلِيمٞ ٢١٥ كُتِبَ
عَلَيۡكُمُ ٱلۡقِتَالُ وَهُوَ كُرۡهٞ لَّكُمۡۖ وَعَسَىٰٓ أَن تَكۡرَهُواْ شَيۡـٔٗا
وَهُوَ خَيۡرٞ لَّكُمۡۖ وَعَسَىٰٓ أَن تُحِبُّواْ شَيۡـٔٗا وَهُوَ شَرّٞ لَّكُمۡۚ
وَٱللَّهُ يَعۡلَمُ وَأَنتُمۡ لَا تَعۡلَمُونَ ٢١٦

Theme	
Believers will rank above the disbelievers on the Day of Judgement. Mankind was one nation having one religion. The way to Paradise passes through trials. Charity and fighting (for just cause) is made obligatory.	ईमान वाले क़यामत के दिन काफ़िरों से बुलंद दर्जे पर होंगे। इंसानियत एक उम्मत थी जिसका एक ही दीन था। जन्नत का रास्ता आज़माइशों से गुज़रता है। सदक़ा और जंग करना (हक़ मक़सद के लिए) फ़र्ज़ किया गया है।
Tarjumani	
Ask the Children of Israel, how many clear signs We have given them. Anyone who substitutes the favor of Allah (changes the revelations of Allah) after it has come to him, should know that Allah is strict in retribution. The life of this world is charming to those who are unbelievers and they mock at those who believe, but they forget that those who fear Allah will rank above them on the Day of Resurrection; Allah gives sustenance without measure to whom He wants. Mankind was one nation having one religion. Later, when people invented other religions, Allah appointed	बनी-इसराइल से पूछो : कैसे खुली-खुली निशानियाँ हमने उन्हें दिखाई हैं (और फिर यह भी उन्हीं से पूछ लो कि) अल्लाह की नेमत पाने के बाद जो कौम उसको शकावत से बदलती है उसे अल्लाह कैसे सख्त सज़ा देता है | जिन लोगों ने कुफ़्र की राह इखतियार की है, उनके लिए दुनिया की ज़िन्दागी बड़ी महबूब व दिलपसन्द बना दी गई है | ऐसे लोग ईमान की राह इखतियार करनेवालों का मज़ाक उड़ाते हैं, मगर कियामत के रोज़ परहेजगार लोग ही उनके मुक़ाबले में आली मक़ाम होंगे | रहा दुनिया का रिज्क, तो अल्लाह को इखतियार है, जिसे चाहे बेहिसाब दे | इबतिदा में सब लोग एक ही तरीके पर थे | (फिर यह हालत बाक़ी न रही

Prophets as bearers of good news and warnings; and revealed to them the Book with the True Guidance to settle the matters of dispute between people. But, the very people to whom it was given, started disputes after the clear proofs had come to them, because of rivalry between one another. Allah has guided the believers by His will to the truth in those matters in which they had differences. Allah guides whom He pleases towards the Right Way. Do you think that you will enter Paradise without any trials while you have known the examples of those who passed away before you? They were afflicted with suffering and adversity violently shaken up that even the and were so Rasool and the believers with him cried out: "When will Allah's help come?" Be aware! Allah's help is ever close. Fighting They ask you what they should spend in charity. Say: "Whatever you spend with a good heart, give it	और इखातिलाफ़ात रुनुमा हुए) तब अल्लाह ने नबी भेजे जो रास्तरवी पर बशारत देनेवाले और कजरवी के नताईज़ से डरानेवाले थे, और उनके साथ किताबे-बरहक नाज़िल की ताकि हक़ के बारे में लोगों के दरमियान जो इखतिलाफात रुनुमा हो गए थे, उनका फ़ैसला करे – (और उन इखतिलाफात के रुनुमा होने की वजह यह न थी कि इबतिदामें लोगों को हक़ बताया नहीं गया था | नहीं) इखतिलाफ़ उन लोगों ने किया, जिन्हें हक़ का इल्म दिया जा चुका था	उन्होंने रौशन हिदायात पा लेने के बाद महज़ इसलिए हक़ को छोड़कर मुख्तलिफ तरीक़े निकाले कि वे आपस में ज़्यादती करना चाहते थे – पस जो लोग अंबिया पर ईमान ले आए, उन्हें अल्लाह ने अपने इज़्न से उस हक़ का रास्ता दिखा दिया, जिसमें लोगों ने इखतिलाफ किया था	अल्लाह जिसे चाहता है राहे-रास्ता दिखा देता है	फिर क्या तुम लोगों ने यह समझ रखा है कि यूँ ही जन्नत का दाखिला तुम्हें मिल जाएगा, हालाँकि अभी तुमपर वह सब कुछ नहीं गुज़रा है जो तुमसे पहले ईमान लानेवालों पर गुज़र चुका है	उनपर सख्तियाँ गुज़रीं, मुसीबतें आई, हिला मारे गए,

to parents, relatives, orphans, the helpless, and travellers in need. Whatever good you do, Allah is aware of it. has been made obligatory for you, much to your dislike. It is quite possible that something which you do not like is good for you and that something which you love is bad for you. Allah knows, and you do not know.	हत्ता कि वक़्त का रसुल और उसके साथी अहले-ईमान चीख़ उठे कि अल्लाह कि मद कब आएगी?—(उस वक़्त उन्हें तसल्ली दी गई कि) हाँ, अल्लाह की मदद क़रीब है	लोग पूछते हैं हम क्या खर्च करें? जवाब दो कि जो माल भी तुम ख़र्च करो अपने वालिदैन पर, रिश्तेदारों पर, यतीमों और मिसकीनों और मुसाफिरों पर ख़र्च करो	और जो भलाई भी तुम करोगे, अल्लाह उससे बाख़बर होगा	तुम्हें जंग का हुक्म दिया गया है और वह तुम्हें नागवार है – हो सकता है कि एक चीज़ तुम्हें नागवार हो और वही तुम्हारे लिए बेहतर हो	और हो सकता है कि एक चीज़ तुम्हें पसन्द हो और वही तुम्हारे लिए बुरी हो	अल्लाह जानता है, तुम नहीं जानते	
Tafsir	